THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE : (SHRI YOGENDRA MAKWANA) : (a) Yes, Sir.

(b) and (c) Under NCDC-I project financed by the World Bank and which has been in operation since 1979-80, 958 rural (including rehabilitation of 200 old godowns) and 227 marketing godowns, with total storage capacity of 1.66 lakh tonnes, are being constructed in Orissa. NCDC-III project also financed by the World Bank and which has come into operation from 1.7.1984, envisages construction of 741 rural and 484 marketing godowns with a total capacity of 2.626 lakh tonnes in Orissa. This programme is based on specific proposals submitted by the Government of Orissa.

Demolition of Shops in Motia Khan

1101. SHRI ANWAR AHMAD : Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to refer to the reply given to Unstarred Question No. 3571 on 19 March, 1984 regarding demolition of shops in Motia Khan and State :

(a) whether the requiste information has since been collected; and

(b) if so, whether the shops/plots to the remaining shopkeepers have since been allotted and if not, the reasons therefor ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE DEPARTMENT OF SPORTS, IN THE MINISTRY OF WORKS AND HOUSING AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI MALLIKARJUN) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

खाद्यान्नों का क्षतिग्रस्त होना

1102. श्री कृष्ण प्रताप सिंह : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या खुले स्थानों में रखे जाने के कारण भारतीय खाद्य निगम के भारी मात्रा में खाद्यान्न प्रति वर्ष क्षतिग्रस्त हो जाते हैं;

(ख) इस वर्ष खाद्यान्नों की कितनी अनुमानित मात्रा खुले स्थानों में रखी गई है;

(ग) खाद्यान्नों को क्षतिग्रस्त होने के लिए क्या उपाय किये गये हैं; और

(घ) क्या इस प्रकार से मामलों में कोई उत्तरदायित्व भी निर्धारित किया जाता है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

इलेक्ट्रानिकी विभाग में तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप मंत्री (डा० एम० एस० संजीवी राव) : (क) खुले भण्डारण में पड़े हुए खाद्यान्नों के स्टाक को कुछ क्षति पहुंचती है ।

(ख) 30-6-1984 की स्थिति के अनुसार 9.26 लाख मीटरी टन खाद्यान्नों को खुले (कैप) में रखा गया है ।

(ग) कैप भण्डारण के अधीन रखे गए को क्षति से बचाने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाते हैं: --

(1) तल से क्षति को रोकने के लिए भूमि-स्तर से काफी ऊपर बनाई गई निभार सामग्री के ऊपर खाद्यान्नों के स्टाक रखे जाते हैं ।

(2) गुम्बद के आकार के चट्टे लगाए जाते हैं ताकि शिखर पर पानी के जमाव अथवा साइडों से टपकन को रोका जा सके ।